IGN COLLEGE , Dhanora (LADWA) Distt. Kurukshetra

Staff Notice 26.10.2016

All the staff members are informed that one day National Seminar on the Topic ''संस्कृत भाषा एवम् साहित्य में आलोचनात्मक चिन्तन के विविध आयाम'' is being organized by Department of Sanskrit on 26th October, 2016 in the Seminar Hall. All the Members of the staff are cordially invited to grace the occasion as per your convenience.

Name (Dr./Sh./Ms.)	Name (Dr./Sh./Ms.)
K.L.Chugh, Assos. Prof	Rajbir Singh, Lecturer
R.K.Chauhan,, Asso. Prof.	Karamjeet Kaur, Lecturer
Madhu Gupta Asso. Prof.	Shivani Gupta, Lecturer
Ashok Verma,, Asso. Prof.	Sonam Garg, Lecturer
Sadhana Gupta,, Asso.Prof.	Mamta, Lecturer
S.C.Sharma, Asso.Prof.	Gargi Raheja, Lecturer
A.K.Garg, Asso. Prof.	Ruchika Gupta, Lecturer
Romesh Bhall Asso.Prof.	Rajni Saini, Lecturer
Sandeep Bansal, Asso.Prof.	Ramanpreet Kaur, Lecturer
Rajesh Kumar Asst.Prof.	Reena Rani, Lecturer
Rupesh Gaur Librarian	Anju Saini, Lecturer
Yash Pal Singh Asstt.Prof.	Sukhvinder Singh, Lecturer
Harneet Kaur Asstt.Prof.	Monika, Lecturer
Mohan Lal Asstt.Prof.	Poonam Lata, Lecturer
Sunita Rani Asstt.Prof.	Sourabh Singla, Lecturer
Vandana Gupta Asstt. Prof.	Pinki Saini, Lecturer
Neeru Bala, Asstt. Prof.	Prince Kumar, Lecturer
Kuldeep Singh Asst. Prof.	Kuldeep Singh, Lecturer
Niti Goyal Asstt. Prof.	
Suman Siwach Asstt. Prof.	

Principal
Indira Gandhi National College
LADWA Distt. Kurukshetra

IGN COLLEGE , LADWA (Dhanora) Distt. Kurukshetra

Dated: 19-03-2018

STAFF NOTICE

All the staff members are informed that Sanskrit Departmet of the college is organizing One Day National Seminar on 20.03.2018. The Staff members can attend the seminar during the free time and are cordially invited for Lunch in Auditorium.

PRINCIPAL

Sr. No.	Name (Sh./Ms.)	Signature	Name (Sh./Ms.)	Signature
1.	Vijay Kumar		Varinder Sethi	
2.	J.K. Gupta		Sushil Kumar	
3.	Nisha Rani		Karnail Singh	
4.	Ravinder Sharma		Salochna	
5.	Rattan Singh		Roop Chand	
6.	Muni Lal		Parveen Kumar	
7.	Joginder Singh		Mukesh Kumar	
8.	Rakib			
9.	Naresh Kumar			
10.	Naresh Pal			
11.	Raj Kumar			
12.	Jagdeep Chahal			
13.	Raj Pal			

26-10-2...

अजीत समाचार चंडीगढ़

संस्कृत सभी भाषाओं की जननी और संस्कारों की भाषा है : पवन सैनी

कुरुक्षेत्र, 26 अक्तूबर (जसबीर दुग्गल) : हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला एवं इंदिरा गांधी नेशनल कालेज लाडवा के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत भाषा एवं साहित्य में आलोचनात्मक चिंतन के विविध विषय पर राष्ट्रीय संस्कृत कार्यक्रम किया गया। इस संगोष्ठी में लाडवा के विधायक डा. पवन सैनी मुख्यातिथि व हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के ओएसडी डा. राजेन्द्र विद्यालंकार ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। हरियाणा संस्कृत अकादमी निदेशक डा. सोमेश्वर दत्त इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इससे पहले विधायक डा. पवन सैनी, ओएसडी डा. राजेन्द्र विद्यालंकार, निदेशक डा. सोमेश्वर दत्त व अन्य विद्वानो ने दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस संगोष्ठी में हरियाणा सहित पूरे भारतवर्ष से आए संस्कृत विद्वानों ने भाग लिया। विधायक डा. पवन सैनी ने कहा कि आज देश को सभ्य, संस्कारवान, चरित्रवान और देशभक्त [illegible] की जरूरत है, और ऐसे समाज [illegible] में छात्र ही अपनी [illegible] निभा सकते है।

कार्यक्रम में संबोधित करते विधायक डा. पवन सैनी। (छाया : दुग्गल)

शिक्षक भी विद्यार्थियों को ऐसे संस्कार दें जिनसे उनमें देश प्रेम की भावना का जज्बा पैदा हो। उन्होंने कहा कि संस्कृत को सभी भाषाओं की जननी कहा गया है। इसलिए हमें इस भाषा का ज्ञान होना बहुत जरुरी हैं। हरियाणा सरकार इस वर्ष को स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मना रही है। इस उपलक्ष्य में पूरे वर्ष इस तरह की संस्कृत संगोष्ठियों का अलग-अलग जगह पर आयोजन होता रहेगा। निदेशक डा. सोमेश्वर दत्त ने कहा कि संस्कृत अकादमी के माध्यम से हरियाणा सरकार द्वारा राज्य में स्वर्ण जयंती के अवसर पर संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं।

संगोष्ठी में लगभग 58 छात्रों ने इस विषय पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। मुख्य वक्ताओं में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग के पूर्व अध्यक्ष डा. भीम सिंह, पंजाब विश्वविद्यालय से डा. विरेन्द्र अलंकार, डीएवी कालेज पेहवा के प्रधानाचार्य डा. कामदेव झा सहित कई विद्वानों ने विषय पर प्रकाश डाला।

जगत क्रान्ति समालखा-प...

संस्कृत सभी भाषाओं की जननी और संस्कारों की भाषा है : पवन सैनी

लाडवा (संजीव खेडी): हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला एवं इन्दिरा गांधी नेशनल कालेज लाडवा के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत भाषा एवं साहित्य में आलोचनात्मक चिन्तन के विविध विषय पर एक द्विवसीय राष्ट्रीय संस्कृत विद्वद्गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में लाडवा के विधायक डा. पवन सैनी मुख्यातिथि व हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के ओएसडी डा. राजेन्द्र विद्यालंकार ने विशिष्ट अतिथि के रुप में शिरकत की। हरियाणा संस्कृत अकादमी निदेशक डा. सोमेश्वर दत्त इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इससे पहले विधायक डा. पवन सैनी, ओएसडी डा. राजेन्द्र विद्यालंकार, निदेशक डा. सोमेश्वर दत्त व अन्य विद्वानो ने दीप प्रजवलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस संगोष्ठी में हरियाणा सहित पूरे भारतवर्ष से आए संस्कृत विद्वानों ने भाग लिया।

विधायक डा. पवन सैनी ने कहा कि आज देश [illegible] सभ्य, संस्कारवान, चरित्रवान और [illegible]भक्त समाज की जरूरत है, और ऐसे [illegible]माज के निर्माण में [illegible] अपनी [illegible] भूमिका निभा सकते है। शिक्षक भी विद्यार्थियो को ऐसे संस्कार दें जिनसे उनमें देश प्रेम की भावना का जज्बा पैदा हो। उन्होंने कहा कि संस्कृत को सभी भाषाओं की जननी कहा गया है। इसलिए हमें इस भाषा का ज्ञान होना बहुत जरुरी हैं। हरियाणा सरकार इस वर्ष को स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मना रही है। इस उपलक्ष्य में पूरे वर्ष इस तरह की संस्कृत संगोष्ठियों का अलग-अलग जगह पर आयोजन होता रहेगा। संगोष्ठी में विशिष्ठ अतिथि डा. राजेन्द्र विद्यालंकार ने भी अपने वक्तव्य में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। उन्होंने कहा कि संस्कृत ही एक ऐसी भाषा है जो आपनी में संस्कार पैदा करती है।

निदेशक डा. सोमेश्वर दत्त ने सभी आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डा. हरिप्रकाश शर्मा नें अपने सम्बोधन में कहा कि सारे देश की भाषाओं का दो भागों में विभाजित किया जा सकता है। एक वह जो कृषि पर विभाजित है और दूसरी जो व्यापार पर आधारित है। अंग्रेजी जो उद्योग-व्यापार का प्रतिनिधित्व करती है और संस्कृत कृषि आधारित संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। दोनों भाषाएं अपनी-अपनी विशिष्टता रखती है। इस अवसर पर हरियाणा संस्कृत अकादमी की शासी परिषद के सदस्य डा. विनय सिंघल, डा. सूरज भान व डा. अशोक सैनी भी उपस्थित थे। संगोष्ठी में लगभग 58 छात्रों ने इस विषय पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। मुख्य वक्ताओं में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग के पूर्व अध्यक्ष डा. भीम सिंह, पंजाब विश्वविद्यालय से डा. विरेन्द्र अलंकार, डीएवी कालेज पेहवा के प्रधानाचार्य डा. कामदेव झा सहित कई विद्वानों ने इस विषय पर प्रकाश डाला।

---

27 अक्तूब...

वीरव...

संस्कृ...

अमर उजाला...

कुरुक्षेत्र। हरियाणा संस्... इंदिरा गांधी ... संयुक्त तत्... साहित्य में ... विविध विष... का आयोज... विधायक ... हिमाचल ... डॉ. राजेंद्र ... के रुप में ... अकादमी ... अध्यक्षत...

संगोष्... आए ... विधायक ... देश को ... देशभ... समाज ... महत्...

प्रैस विज्ञप्ति

26.10.2016

इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा

डवा 26.10.2016: इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा में आज स्कृत विभाग की तरफ से हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला के सहयोग से **एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी** का सफल आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य महोदय डॉ. हरिप्रकाश शर्मा जी ने इस संगोष्ठी में उपस्थित मुख्यातिथि, डॉ. पवन सैनी, विधायक हल्का लाडवा, अध्यक्ष डॉ. सोमेश्वर दत्त, निदेशक, हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला, मुख्य वक्ता डॉ. राजेन्द्र कुमार विद्यालंकार, ओ.एस.डी. राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, मुख्य वक्ता डॉ. भीम सिंह, डॉ. वीरेन्द्र कुमार विद्यालंकार, डॉ. कामदेव झा तथा श्री वेद प्रकाश सिंघल, कोषाध्यक्ष, कॉलेज संचालन समिति का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत किया। इस समारोह के मुख्यातिथि आदरणीय पवन सैनी, हल्का विधायक लाडवा ने अपने सम्बोधन में यही कहा कि संस्कृत संस्कारों की भाषा है। यह जीवंत, सरल, देव एवं वैज्ञानिक भाषा है। डॉ. राजेन्द्र कुमार विद्यालंकार ने अपने प्रातः काल के उद्घाटन सत्र के उद्बोधन में आलोचना विषय पर सारगर्भित वक्तव्य प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि मूर्धन्य विद्वान श्रद्धेय डॉ. भीम सिंह ने अपने वक्तव्य में यही कहा कि आज के इस वैश्विक युग में संस्कृत भाषा में छिपे रहस्यों को प्रकट कर समय की मांग के अनुकूल उसकी प्रासंगिकता को बनाना आवश्यक है। संस्कृत साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. सोमेश्वर दत्त ने इस बात पर जोर दिया कि हमें संस्कृत भाषा के प्रचार एवं प्रसार में विशेष रूप से वैयक्तिक योगदान देने की आवश्यकता है। प्राचार्य महोदय डॉ. हरिप्रकाश शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह हमारे लिए अति हर्ष एवं गौरव का विषय है कि आज संस्कृत विभाग की तरफ से आयोजित यह एक-दिवसीय संगोष्ठी में विविध विचारों का मंथन अपने उद्देश्य की पूर्ति में सफल होगा। संस्कृत भाषा जो कभी आर्यों एवं आर्यवर्त तक सीमित थी आज विश्व की भाषाओं में महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है जिसके परिणामस्वरूप विदेशी विद्वान इस भाषा के स्वरूप अन्वेषण में दिन-रात अध्ययनरत है। सांयकालीन सत्र में विभिन्न विषयों पर आलेख प्रस्तुत किए गए जिनमें संस्कृत भाषा एवं साहित्य में आलोचनात्मक चिन्तन पर गहन विद्वतापूर्ण तार्किक विचार अभिव्यक्त किए गए जिन पर स्वस्थ चर्चा परिचर्चा के माध्यम से विविध विचारों का मंथन कर यही निष्कर्ष निकाला गया कि संस्कृत भाषा एवं इसका साहित्य इतना व्यापक एवं समृद्ध है कि जिसकी पद-2 पर आलोचनात्मक चिन्तन से कई नए तथ्य उभर कर सामने आए जो आजकी इस गोष्ठी के लक्ष्य की पूर्ति को सार्थकता प्रदान करते हैं। सांय कालीन समापन सत्र के अध्यक्ष मूर्धन्य विद्वान डॉ. भीम सिहं, मुख्य वक्ता डॉ. वीरेन्द्र कुमार तथा डॉ. कामदेव झा ने अपने ओजस्वी वक्तव्य से विषय को नई दिशा और दशा प्रदान की। संगोष्ठी में मुख्यातिथि निदेशक हरियाणा संस्कृत अकादमी, विशिष्ठ अतिथि तथा अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ताओं को शाल एवं स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। निदेशक हरियाणा संस्कृत अकादमी ने प्राचार्य महोदय को स्मृति चिह्न से सम्मानित किया। डॉ. राजेश कुमार, प्राध्यापक अंग्रजी विभाग ने सफल मंच संचालन किया। अंत में प्राचार्य ने इस संगोष्ठी में उपस्थित विद्वज्जनों एवं कॉलेज के शिक्षक एवं गैरशिक्षक कर्मचारियों का हार्दिक धन्यवाद किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह को सम्पूर्णता प्रदान की गई।

प्राचार्य

इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा (कुरुक्षेत्र)

रिपोर्ट 27.10.2016

इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा के संस्कृत विभाग द्वारा एक दिवसीय नेशनल संगोष्ठी का आयोजन हरियाणा संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्त्वाधान में 26.10.2016 को किया गया। संगोष्ठी का विषय 'संस्कृत भाषा एवं साहित्य में आलोचनात्मक चितंन' रहा। इस संगोष्ठी में उपस्थित विद्वज्जनों में मुख्यातिथि डॉ. पवन सैनी, विधायक लाडवा व हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में शिरकत की और हरियाणा संस्कृत अकादमी के निदेशक डॉ. सोमेश्वर दत्त ने एक दिवसीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

मुख्य वक्ताओं के रूप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, संस्कृत विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. भीम सिंह, पंजाब विश्वविद्यालय से डॉ. विरेन्द्र अलंकार, डॉ. कामदेव झां, प्राचार्य डी.ए.वी. कॉलेज पेहवा, आदि ने संस्कृत भाषा की महत्ता पर व्याख्यान दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरि प्रकाश शर्मा ने उपस्थित सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनन्दन किया। इस संगोष्ठी में 58 प्रतिभागियों ने भाग लिया। संगोष्ठी में उपस्थित होने वाले प्रतिभागियों को प्राचार्य द्वारा प्रमाण पत्र भी दिए गए।

प्राचार्य

हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला
एवं
इन्दिरा गाँधी नेशनल कॉलेज, लाडवा (कुरुक्षेत्र)
द्वारा आयोजित
26 अक्तूबर,
2:02 PM

हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला
एवं
द्वारा आयोजित
2:02 PM

हरियाणा संस्कृत अकादमी, पंचकूला
एवं
द्वारा आयोजित